माननीय सदस्यगण,

आप सभी जिस गंभीरता और निष्ठा से सदन चलाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं, वह प्रशंसनीय है। यह लोकतंत्र को मजबूत करने का सार्थक प्रयास है।

आप सभी जन समस्याओं के समाधान के लिए मर्यादापूर्वक अपनी बातों को सदन में रख रहे हैं और सरकार की सजगता एवं संवेदनशीलता के कारण जिस प्रकार शत-प्रतिशत प्रश्नों के जवाब मिल रहे हैं, यह विधायिका, कार्यपालिका और करोड़ों बिहारवासियों के लिए गर्व का विषय है। इसकी सकारात्मक चर्चा और प्रसारण होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य है कि हम नकारात्मक बातों की चर्चा कर देते हैं और सकारात्मक बातें दबी रह जाती हैं। सकारात्मक बातों की चर्चा से लोगों के मन में उत्साह और प्रेरणा मिलती है। हमारा नैतिक कर्त्तव्य क्या हो, इसका ज्ञान सभी जनप्रतिनिधियों और बुद्धिजीवियों को होना चाहिए

सदन के अध्यक्ष होने के नाते हमारी जवाबदेही बनती है और लोग हमसे पूछते हैं। आप सब लोगों के समय और विश्वास पर हम खरे उतरें और सदन की प्रतिष्ठा बढ़े यह हमारी ही जिम्मेवारी नहीं, बल्कि हमसब की जिम्मेवारी है

माननीय सदस्यगण, आज जन प्रतिनिधियों को अग्निपरीक्षा देनी पड़ रही है। चारों तरफ से विभिन्न तरह की नकारात्मक शक्तियाँ हमें दबोचने के लिए तैयार बैठी हैं, इसलिए हमें उनसे बहुत सतर्क और सावधान रहना होगा। हमें कलंकित करने के नित्य नये-नये प्रयास हो रहे हैं। यह बिहार विधान सभा परिसर से शुरू हुई घटना भी उसी की एक कड़ी है। इस तरह की घटना कहाँ तक जायेगी या किसके घर तक पहुँचेगी, इसकी कल्पना भी हम लोग नहीं कर सकते हैं। इस तरह की नकारात्मक बातों को बहुत सहजता से हम तूल देकर प्रचारित नहीं करें। इस नकारात्मक प्रचार से न सिर्फ हमारी छवि धूमिल होगी, बल्कि लोकतंत्र के इस पवित्रतम मंदिर बिहार विधान सभा की छवि धूमिल हुई है और आगे भी होगी।

यह ध्यान रखें, हम शेर की सवारी कर रहे हैं, राजनीति पूरी तरह शेर की सवारी है, जबतक आप सर्तक, सजग और सावधान रहकर नैतिक मूल्यों का

पालन करते हुए जनता के विश्वास पर राजहित की समस्याओं पर गंभीरता के साथ विमर्श करेंगे तबतक आपकी प्रतिष्ठा बरकरार रहेगी हम इससे भटकेंगे तो शेर कभी माफ नहीं करता है, हमारा प्राण ले लेगा । संविधान की गरिमा गिर जायेगी, हम सब तार-तार हो जायेंगे

इसलिए यह आवश्यक है कि हम सदन की गरिमा को बनाये रखने के लिए नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च मानदंड स्थापित करते हुए अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करें सत्ता पक्ष हो या विपक्ष शालीनता और मर्यादा को बनायें रखें। सबकी मर्यादा बचे, यह हम सब की जिम्मेदारी है। इस सदन से फिर से एक सकारात्मक संदेश समाज में जाये। आईये हम सब इसका संकल्प लें।